



सकारात्मकता से हो तकनीकी का प्रयोग

परिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीसेज (एसएमएस) में शनिवार को विकासशील अर्थव्यवस्था से विकसित अर्थव्यवस्था में परिवर्तन विषय पर दो दिवसीय नवें राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत हुई। सम्मेलन में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों व औद्योगिक प्रतिष्ठानों से आये हुए प्रतिभागियों द्वारा अपने विचार व्यक्त किये गये। इस राष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत शोधकर्ता, शिक्षक और विद्यार्थियों को एक मंच प्रदान करना है, जिससे वे आपस में अपने विचारों को व्यक्त कर सकें और सूचनाओं का आदान-प्रदान कर सकें। संस्थान के निदेशक प्रो. मनोज मेहरोत्रा ने संस्थान के शैक्षिक योगदान व सुविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की गयी। उन्होंने प्रमुख रूप से संस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में किये

गये महत्वपूर्ण कार्यों और प्राप्त पुरस्कारों के बारे में भी जानकारी दी। संस्थान के महानिदेशक (तकनीकी) प्रो. बीआर सिंह ने संस्थान की उपलब्धियों से अवगत कराते हुए उच्च स्तरीय शोधकार्यों की प्रगति पर प्रकाश डाला गया। राष्ट्रीय सम्मेलन का



उद्घाटन वतीर मुख्य अतिथि टाटा मोटर्स लि. के प्रेसीडेंट एचआर गजेन्द्र चन्देल ने किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छात्रों को हमेशा तकनीकी उपयोगिता की सम्भावनाओं और उसका आम लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़े, इस पर विचार करना चाहिए और देश को समृद्ध बनाने में अपना योगदान प्रदान करना

चाहिये। उन्होंने भारत को एक विकसित अर्थव्यवस्था और तकनीकी क्षेत्र में योगदान के कार्य को सगहनीय बताते हुए विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। समारोह में अतिथि के रूप में उपस्थित लर्निंग सोल्यूशन के निदेशक शबीह किदवाई ने कहा कि हमारा देश

तेजी से तकनीकी क्षेत्र में विकसित देश के रूप में बढ़ रहा है। सम्मेलन में अनिल कुमार मिश्रा, चीफ ह्यूमन रिसोर्स आफिसर, मैजिक ब्रिक्स डॉट कॉम एवं धनन्जय सिंह, डायरेक्टर जनरल, एनएचआरडी नेटवर्क, कुमार ललित प्रेसीडेंट एनएचआरडी लखनऊ चेंप्टर, डीन, धर्मेन्द्र सिंह उपस्थित रहे।